ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
उद्यानिकी और वानिकी विश्वविद्यालय के डॉ। वाई.एस.
नौनी सोलन, हिमाचल प्रदेश

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 05-06-2026

सोलान(हिमाचल प्रदेश) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2026-06-05 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2026-06-06	2026-06-07	2026-06-08	2026-06-09	2026-06-10
वर्षा (मिमी)	1.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	30.0	30.0	31.0	31.0	31.0
न्यूनतम तापमान(से.)	17.0	18.0	18.0	18.0	19.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	78	57	45	39	33
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	32	19	16	13	10
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	9	10	11	11	11
पवन दिशा (डिग्री)	54	72	71	69	72
क्लाउड कवर (ओक्टा)	5	1	2	1	1
चेतावनी	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं

पूर्वानुमान सारांश:

अगले पांच दिनों तक मौसम शुष्क रहेगा। 5 जून को जिले के कुछ स्थानों पर हल्की वर्षा की संभावना है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 30.0-31.0 डिग्री सेल्सियस और 17.0-19.0 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। हवा की गति उत्तर-पूर्व दिशा में 8.5-11.4 किमी प्रति घंटा रहेगी। सापेक्ष आर्द्रता 10-78 प्रतिशत के बीच रहेगी।

मौसम चेतावनियाँ (अगले दिन के 08:30 IST तक मान्य):

जिले के लिए कोई मौसम चेतावनी जारी नहीं की गई है।

मौसम चेतावनियों के कृषि पर संभावित प्रभाव और संबंधित एग्रोमेट सलाह:

फसलों पर कोई विशेष प्रभाव नहीं पड़ेगा।

सामान्य सलाहकार:

 मृदा में नमी संरक्षण हेतु पौधों के थालों (बेसिन) में 10–15 सेमी मोटी सूखी घास की मल्च बिछाएँ। वर्तमान मौसम परिस्थितियों को देखते हुए फसलों में नए कीटों एवं रोगों के प्रकोप की नियमित निगरानी करें। फसल-विशिष्ट कृषि मौसमीय सलाह (एग्रो-एडवाइजरी) का नियमित रूप से पालन करें। खेतों में समय-समय पर निराई-गुड़ाई (Weeding and Hoeing) का कार्य करें, जिससे खरपतवार नियंत्रण के साथ मृदा में वायु संचार भी

बना रहे। □ पौध संरक्षण संबंधी उपाय एवं कीटनाशकों/फफूंदनाशकों का छिड़काव साफ एवं शुष्क मौसम में करें।

लघु संदेश सलाहकार:

□ स्थानीय भाषा में कृषि मौसम संबंधी जानकारी प्राप्त करने हेतु Meghdoot App का उपयोग करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
सेब	□ वातावरण में बढ़ी हुई सापेक्षिक आर्द्रता के कारण सेब में स्कैब (Scab) एवं अल्टरनेरिया लीफ स्पॉट (Alternaria Leaf Spot) रोग के विकसित होने की संभावना बढ़ जाती है। अतः बागवान नियमित रूप से बागों का निरीक्षण करते रहें। □ यदि पत्तियों पर रोग के लक्षण दिखाई दें, तो साफ मौसम में संक्रमित बागों में मेटिराम 55% + पाइराक्लोस्ट्रोबिन 5% WG का 200 ग्राम प्रति 200 लीटर पानी की दर से छिड़काव करें। आवश्यकता होने पर 10–12 दिनों के अंतराल पर वैकल्पिक रूप से पुनः छिड़काव करें। □ सेब में स्कैब रोग के नियंत्रण हेतु फल विकास अवस्था (Fruit Development Stage) पर प्रोपिनेब 600 ग्राम को 200 लीटर पानी में घोलकर साफ मौसम में छिड़काव करें।
खुबानी	□ यदि फल पूर्ण परिपक्वता के निकट हों, तो संभावित नुकसान को कम करने के लिए उनकी समय पर तुड़ाई/कटाई कर लें। □ गिरे हुए फलों को एकत्रित करके कम से कम 45 सेमी गहरे गड्ढे में दबा दें, ताकि कीट एवं रोगों के प्रसार को रोका जा सके।
खीरा	□ मृदा में नमी संरक्षण हेतु पौधों के आसपास सूखी घास से मल्चिंग करें। □ कुकुर्बिट फसलों (खीरा, लौकी, तोरी, कद्दू आदि) में कीट एवं रोगों की नियमित निगरानी करें तथा बेलों को सहारा देने के लिए उचित स्टेकिंग की व्यवस्था करें, जिससे बेलें जमीन से ऊपर रहें और फसल की वृद्धि एवं गुणवत्ता बेहतर हो।
टमाटर	□ टमाटर की फसल में वृद्धि अवस्था के दौरान पौधों को उचित सहारा (स्टेकिंग) प्रदान करें, जिससे पौधों के गिरने की संभावना कम हो, वायु संचार बेहतर हो तथा फल की उपज एवं गुणवत्ता में वृद्धि हो। □ मृदा जनित रोगों के प्रकोप को कम करने हेतु पौधों की निचली पत्तियों को भूमि सतह से 10–15 सेमी ऊँचाई तक हटा दें। □ किसानों को सलाह दी जाती है कि वे खेतों में उचित जल निकासी चैनल बनाएं क्योंकि 5 जून, 2026 को बारिश होने की संभावना है।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	□ गरज-चमक एवं बिजली गिरने के दौरान पशुओं को खुले स्थान पर न बांधें तथा उन्हें सुरक्षित स्थान पर रखें। □ पशुओं को छायादार शेड में रखें तथा उन्हें समय-समय पर स्वच्छ एवं पर्याप्त मात्रा में पीने का पानी उपलब्ध कराएं। □ गर्मी से राहत देने के लिए पशुओं के शरीर, विशेषकर पैरों और खुरों पर समय-समय पर पानी का छिड़काव करें।

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी)	अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह
पौध - संरक्षण	□ प्राकृतिक खेती करने वाले किसान साफ मौसम की स्थिति के दौरान अग्निअस्त्र, ब्रह्मास्त्र और नीमास्त्र तथा दशपर्णी अर्क का साप्ताहिक अंतराल पर 3.0 प्रतिशत और जीवामृत का नियमित अंतराल पर 10.0 प्रतिशत का छिड़काव करके कीटों के हमले को नियंत्रित कर सकते हैं। □ पौधों के चारों ओर सूखी पत्तियों जैसी जैविक मल्च का उपयोग करें, जिससे मिट्टी में नमी संरक्षित रहे और खरपतवारों की वृद्धि पर नियंत्रण किया जा सके।

मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

 तेज हवाओं के कारण टहनियों और शाखाओं का टूटना, फूल और फल गिरना उपज को प्रभावित कर सकता है और फफूंद रोगों की संभावना को बढ़ा सकता है।

प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

 गरज और बिजली से बचाव के लिए सावधानी बरतें; किसानों को खुले खेतों में जाने से बचने की सलाह दी जाती है। ऊंचे पेड़ों या अन्य वस्तुओं से दूर रहें। किसानों को सलाह दी जाती है कि वे पौधों (टमाटर, बीन्स, ककड़ी) को वृद्धि अवस्था में उचित सहारा दें, जैसे कि डंडे लगाना, ताकि पौधे गिर न जाएं, हवा का संचार बढ़े और फलों की उपज और गुणवत्ता में सुधार रहें।

Farmers are advised to download Unified ‘Mausam’ and "Meghdoot" android application on mobile for Weather forecast and weather based Agromet Advisories and "Damini" android application for forecast of Thunderstorm and lightening.

Mausam MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details/

Meghdoot MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details

Damini MobileApp link : https://play.google.com/store/apps/details